MY PR CLASSES

one step to success

चक्रवाती तूफान यास

कहर बरपाने आ रहा है चक्रवाती तूफान यास,बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब पर बनने वाला सुपर साइक्लोन यास बहुत ही खतरनाक होते हुए ओडिशा- पश्चिम बंगाल की सीमा की ओर बढ़ रहा है। 26 मई 2021 को ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट पर टकराने की उम्मीद

है,जब साइक्लोन तट पर टकराएगा उस समय यास की रफ्तार लगभग 150-155 km/घंटा हो सकती है।
पिछले माह 17 मई को ताउते तूफान की वजह पश्चिमी क्षेत्र मुम्बई,गुजरात, केरल में बहुत ही नुकसान हुआ था। इसी के मद्देनजर पश्चिम बंगाल,ओडिशा,असम राज्यों में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है एवं NDRF की टीम बचावदल के रूप में इन राज्यों ने तैनात की गई है।
यास तूफान के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में साइक्लोन के नामकरण, उत्पत्ति से सम्बंधित प्रश्न पूछे जाते है। इसलिए इस पोस्ट को अंत तक जरूर पढ़ें एवं पीडीएफ डाऊनलोड कर सुरक्षित कर लें।

चक्रवात क्या है?

चक्रवात निम्न वायुदाब के केंद्र होते हैं जिनके चारों ओर क्रमशः बढ़ते वायु दाब की समदाब रेखाएँ होती है। अर्थात घूमती हुई वायु राशि का नाम ही चक्रवात है। चक्रवात में वायु की दिशा परिधि से केंद्र की ओर होती है। चक्रवात जहाँ पहुंचते है वहाँ के वर्षा व तापक्रम की दशाओं को प्रभावित करते हैं तथा उस क्षेत्र के मौसम एवं जलवायु को पूर्णतः प्रभावित करते है।

चक्रवात के प्रकार--

1.उष्णकटिबंधीय चक्रवात--कर्क रेखा और मकर रेखा के मध्य उत्पन्न होने वाले चक्रवातों को उष्णकटिबंधीय चक्रवात कहते हैं। उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को निम्न नामों से भी जाना जाता है---

हरिकेन, टायफून,साइक्लोन,

ट्रोपिकल स्टोर्म,ट्रॉपिकल डिप्रेसन,साइक्लोनिक स्टॉर्म

2.शीतोष्णकटिबंधीय चक्रवात---यह चक्रवात 35-65 अंश अक्षांशों के मध्य उत्पन्न होते हैं। ये चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में शीत ऋतु में उत्पन्न होते है तथा दक्षिणी ध्रुव में वर्ष भर उत्पन्न होते रहते हैं।

चक्रवातों का नामकरण-

चक्रवातों का नामकरण एक व्यवस्थित पद्धति के अनुसार किया जाता है।सभी चक्रवातों का नामकरण विश्व मौसम विभाग के तहत पूरी दुनिया भर में फैले वार्मिंग सेंटर द्वारा किये जाते है। चक्रवातों के नामकरण का जिम्मा 13 देशों पर है। वर्तमान में ये 13 देश निम्नलिखित हैं--

1.भारत
2.पाकिस्तान
3.मालदीव
4.म्यामांर
5.बांग्लादेश
6.ओमान
7.श्रीलंका
8.थाईलैंड
9.ईरान
10.कतर

11.सऊदी अरब
12.यमन
13.यूएई

कुल 64 देश चक्रवाती तूफान के नाम रखते है ।वर्तमान में उपरोक्त वर्णित 13 देश नामकरण करते है। कुल 169 नामों की लिस्ट वर्तमान में तैयार की गई है। चक्रवाती तूफान का नामकरण अल्फाबेट क्रम में किया जाता है।

चक्रवातों के नामकरण की शुरुआत--वर्ष 2004 में भारत की पहल पर हिन्द महासागर क्षेत्र के आठ देशों ने चक्रवाती तूफानों के नामकरण की व्यवस्था शुरू की थी। इसके तहत सदस्य देशों की ओर से पहले से सुझाये गए नामों में से एक का चयन किया जाता है। इन सदस्यों के नाम है भारत,बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यामांर, मालदीव,श्रीलंका, ओमान ओर थाईलैंड ।

---तूफान ताऊ ते--

वर्ष 2021 में भारत मे आया पहला तूफान ताऊ ते है।
समुद्री तूफान ताऊ ते भूमध्य रेखीय हिंदमहासागर के आसपास एक चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के रूप में विकसित हुआ तथा उत्तर दिशा की तरफ बढ़ते हुए कुछ दिनों में समुद्री तूफान में बदल गया। 17 मई 2021 को

गुजरात के वेरावल तथा पोरबंदर तट पर रात 11 बजे टकराया था। अरब सागर के साइक्लोन इतने शक्तिशाली नहीं होते किन्तु ताऊ ते साइक्लोन बहुत ज्यादा शक्तिशाली तूफान था देश के पश्चिमी क्षेत्र गुजरात, केरल,महाराष्ट्र में तेज़ गरज के साथ भारी बारिश,आंधी तूफान से भारी नुकसान हुआ ।
ताऊ ते तूफान का नाम म्यामार ने रखा था जिसका अर्थ होता है तेज़ आवाज़ करने वाली छिपकली।

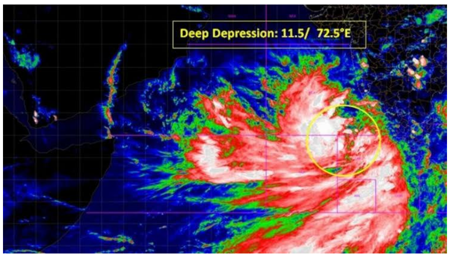

ताऊ ते तूफान की तस्वीर

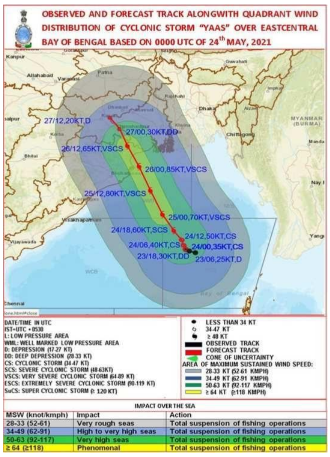

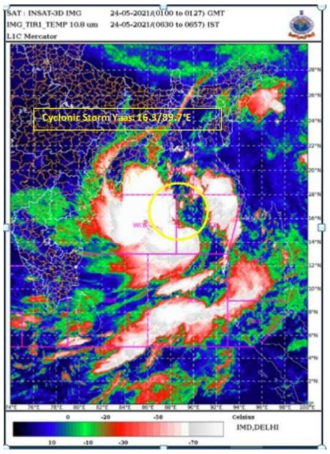

---तूफान यास(yaas)--

चक्रवाती तूफान यास एक उष्णकटिबंधीय तूफान है ,जो कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दवाब का क्षेत्र बनने के कारण पैदा हुआ है। भारतीय मौसम विभाग(IMD)

द्वारा 23 मई को इसे नोटिस किया गया है। 25-26मई तक यह शक्तिशाली तूफान के रूप में तब्दील होने की संभावना है।

इस तूफान का नाम यास ओमान द्वारा रखा गया है जिसका अर्थ "निराशा" होता है।

तूफान कहाँ बना-- बंगाल की खाड़ी में 23 मई को IMD द्वारा नोटिस किया गया । यह पश्चिम बंगाल के दीघा से 370 KM दूर बंगाल की खाड़ी में बना है।

कैसे बना-- बंगाल की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय डिस्टर्बेंस के कारण बना है अर्थात बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब के कारण बना है।

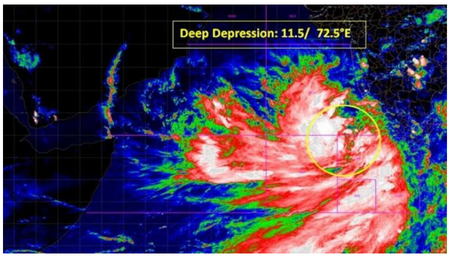

कहाँ टकराएगा---26 मई को पश्चिम बंगाल तट पर टकराने की संभावना ।
145-155 km/घण्टा हवा की रफ्तार हो सकती है।

तेज़ गरज ,आंधी तूफान के साथ भारी बारिश की संभावना है।

27 मई तक तूफान के कमजोर होने के आसार है ।

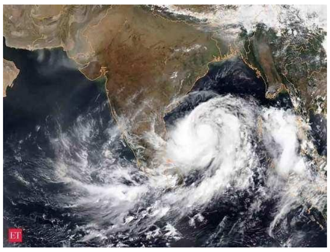

प्रभावित राज्य-- ओडिशा, पश्चिम बंगाल,आंध्रप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ ।

तूफान यास का छत्तीसगढ़ में प्रभाव--

बंगाल की खाड़ी में उठने वाले चक्रवातों से छत्तीसगढ़ प्रभावित रहता ही है। तूफान यास का भी व्यापक प्रभाव छत्तीसगढ़ में 26-27मई को देखने को मिल सकता है। इसलिए राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिला, बस्तर संभाग में भारी बारिश हेतु चेतावनी दी गई है।

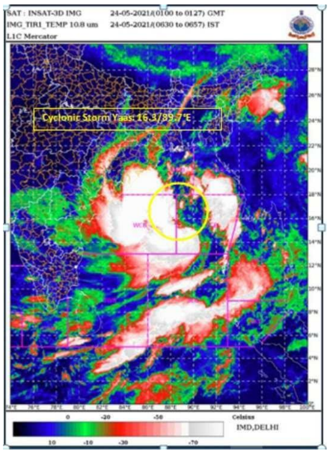

PR CLASSES BALODA

Pravin pradhan